शैक्षिक सत्र–2026–27
विषय–काष्ठशिल्प
कक्षा–12

पूर्णांक –100

लिखित परीक्षा में एक प्रश्न–पत्र 70 अंक का तीन घंटे का होगा। इसके अतिरिक्त 30 अंकों की एक प्रयोगात्मक परीक्षा जिसमें मौखिक परीक्षा भी सम्मिलित है, होगी। प्रयोगात्मक परीक्षा 6 घण्टे से अधिक न होगी। उत्तीर्ण होने के लिये लिखित और प्रयोगात्मक में कम से कम क्रमशः 23+10=33 अंक आने चाहिये।

इकाई–एक **10 अंक**

1. **सहयोग देने वाले यंत्र–** इसके अन्तर्गत बेन्च हुक, पिन बोर्ड, शूटिंग बोर्ड, माइटर बोर्ड, माइटर बाक्स बेन्च स्टापर, डावेल, डावेल प्लेट, कार्क रबर, कार्य करने की मेज आदि का ज्ञान।
2. **सफाई करने वाले यंत्र–** इसके अन्तर्गत स्क्रेपर, रेगमाल तथा रेगमाल तैयार करने का ज्ञान।
3. **यंत्रों को तेज करनाः–**इसके अर्न्तगत काष्ठशिल्प के विभिन्न प्रकार के यंत्रों को तेज करने का सम्पूर्ण ज्ञान। सान लगाने की एमरी पहिया तथा पत्थर के पहिया, आयल स्टोन, आयल स्टोन स्लिप्स आदि का ज्ञान ।

इकाई–दो **10 अंक**

1. **काष्ठशिल्प में प्रयोग होने वाली मशीने–**इसके अर्न्तगत बैण्ड सा मशीन, सर्कुलर सा मशीन, खराद मशीन, मोल्डिंग मशीन, रन्दा करने की मशीन, रेगमाल करने की मशीन तथ यूनिवर्सल वुड वर्किंक मशीन, मर्टिस मशीन का ज्ञान।
2. **धातु वस्तुएँ–** इसके अन्तर्गत कील, पेंच, कब्जे, बोल्ट–नट, क्लैम्ब, इमलिया–कुण्डा, ताले, इस्क्यूचियन, चटखनी, हत्था तथा मूँठ, डोर बोल्ट, हुक तथा आई, स्टे, कास्टर्स, बाल कैच, फ्लस बोल्ट, मिरर क्लिप आदि का ज्ञान।

इकाई–तीन **10 अंक**

1. **काष्ठशिल्प में प्रयोग होने वाली लकड़ियाँ–** लकड़ी के प्रकार, रंग, वजन प्रति घन फुट, प्राप्ति स्थान तथा उनका प्रयोग। लकड़ियां जैसेः– आम, शीशम, सागौन, देवदार, साखू, चीड़ नीम, महुआ, तुन, इबोनी, रोजवुड, अखरोट, विजयसाल, ऐस, बबूल, बीच वुड, ओक, सेमल, बिर्च, हल्दू आदि।
2. **प्लाई वुड– प्लाईवुड की परिभाषा,** प्रकार (लकड़ी की प्रकृति के आधार पर, सरेस के आधार पर, पर्तों की संख्या के आधार पर, परतों की व्यवस्था के आधार पर) बनाने की विधि तथा उसकी उपयोगिता।
3 **काष्ठ परिरक्षणः–** परिभाषा सुरक्षित रखने की विधि तथा काष्ठ परिरक्षण में प्रयोग होने वाले विविध मसाले।

इकाई–चार **10 अंक**

1. डस्ट बोर्ड, हार्ड बोर्ड सनमाइका तथा फेवीकोल का साधारण ज्ञान।
2. लकड़ी तथा लट्ठे की नाप ज्ञात करना। लकड़ी तथा लट्ठे का मूल्य ज्ञात करना।
3. **मानक मापः–**' घरेलू सामग्रियों (FURNITURE) की मानक माप का ज्ञान। जैसे– साधारण सन्दूक, आलमारी, कुर्सी, मेज, स्टूल, चारपाई, तखत, सेन्टर टेबुल, पलंग, ड्राइंग बोर्ड, डाइनिंग टेबुल, पेग टेबुल, पेपर ट्रे, टी ट्रे आदि।

इकाई–पाँच **10 अंक**

1. **लकड़ी सुखाना–** परिभाषा, सुखाने के प्रकार तथा सुखाने की विधि का सम्पूर्ण ज्ञान।
2. **लकड़ी के जोड़–**जोड़ की परिभाषा, जोड़ो के प्रकार, उनकी उपयोगिता, बनाने की विधि एवं उचित स्थानों पर उनका प्रयोग।

इकाई–छः **10 अंक**

1. नमूनों (MODEL), जोड़ो तथा यंत्रों आदि का रुढ़ सममापीय प्रक्षेप या प्रामाणिक सममापीय प्रक्षेप चित्र बनाना।
2. नमूनों, जोड़ो तथा यंत्रों आदि का समलेखीय प्रक्षेप चित्र या लाम्बिक प्रक्षेप चित्र बनाना।
3. धातु सामग्री (METAL FITTINGS), यंत्रों, जोड़ों आदि का मुक्त हस्त रेखा चित्र बनाना तथा उसमें काले व सफेद शेड देना ।

इकाई–सात **10 अंक**

1. **रेखा चित्र–** रेखा चित्र के यंत्रो तथा रेखा चित्र में प्रयोग होने वाली रेखाओं का ज्ञान।
2. **अक्षर लेखनः** अक्षर लेखन का महत्व तथा अक्षर लेखन के प्रकार, हिन्दी तथा अंग्रेजी के बड़े छाप वाले अक्षरों की तिरछी लिखाई या रचना करने की विधि।
3. **पॉलिश, वार्निश तथा पेन्ट–**

(अ) पालिशः पालिश के यंत्र, पालिश के पदार्थ, पालिश के प्रकार, पालिश तैयार तथा प्रयोग करने की विधि। स्टेनिंग, रेशे भरना, फ्यूमिंग, आयलिंग, तेल वाली लकड़ी पर पालिश करना। काष्ठ सामग्री से धब्बे हटाना, पुरानी पालिश छुड़ाना तथा पालिश करने से लाभ आदि का ज्ञान।

(ब) वार्निशः वार्निश की परिभाषा, वार्निश का अर्थ, वार्निश की उपयोगिता तथा आवश्यकता, वार्निश के अन्तर्गत पैदा होने वाले प्रमुख दोष। वार्निश करने से लाभ आदि का ज्ञान।

(स) पेन्टः पेन्टिंग, पेन्टिंग की आवश्यकता, पेन्ट, अच्छे पेन्ट के लक्षण, पेन्ट हटाने के लिए सामान्य पदार्थ तथा पेन्ट करने से लाभ आदि का ज्ञान।

प्रयोगात्मक कार्य **30 अंक**

1. नमूने (MODEL) की बनावट, लकड़ी से लेकर पॉलिश, वार्निश तथा पेन्ट तक की पूरी होनी चाहिए।
2. जो नमूने बनवाये जायें उसमें आवश्यक जोड़ तथा मेटल फिटिंग्स का उचित प्रयोग होना चाहिए।
3. छात्रों को विभिन्न प्रकार के नमूनों के नाप अनुपात व आकार स्वयं निर्धारित करना चाहिए।
4. प्रयोगात्मक परीक्षा में वाल ब्रैकेट, लेटर रैक, लैम्प स्टैण्ड, विभिन्न प्रकार के ट्रे, मोमबत्ती स्टैण्ड, टावेल रोलर, बुक रैक, फलावर पॉट स्टैण्ड मथानी आदि मॉडल बनवाये जांये।

प्रयोगात्मक परीक्षा का अंक विभाजन निम्नवत् होगा–

अधिकतम् अंक–30 न्यूनतम उत्तीर्णांक–10 समय – 06 घण्टे (एक दिन में)

(अ) बाह्य परीक्षक द्वारा देय अंक–15	
1. मॉडल की तैयारी, सही बनाने की विधि	03 अंक
2. सही जोड़	03 अंक
3. मॉडल की सही रूप रेखा	03 अंक
4. चिप कार्विंग	02 अंक
5. मौखिक	04 अंक
	योग =15 अंक
(ब) आन्तरिक मूल्यांकन–	**15 अंक**
1. प्रोजेक्ट कार्य	06 अंक
2. रिपोर्ट तैयार करना	05 अंक
3. सत्रीय कार्य एवं सतत् मूल्यांकन	04 अंक

नोट– विषय अध्यापक प्रत्येक छात्र के कार्यों की एक रिपोर्ट तैयार करके वाह्य प्रयोगात्मक परीक्षक के समक्ष अवश्य प्रस्तुत करें।

पुस्तकें– कोई पुस्तक निर्धारित व संस्तुत नहीं की गई है। विद्यालय के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रमानुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु जो विद्यालय परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये जायेंगे, उन विद्यालयों के संबंधित विषयों के अध्यापक/प्रधानाचार्य द्वारा आन्तरिक परीक्षक के रूप में व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को पचास प्रतिशत अंक प्रदान किये जायेंगे। शेष पचास प्रतिशत अंक वाह्य परीक्षक द्वारा देय होंगे।

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	जुलाई द्वितीय सप्ताह	20 अंक
	(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)	
(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।